

## स्नातकपरीक्षा:- २०१५

बि.ए. - विद्वन्मध्यमा - तृतीयवर्षः

शास्त्रम् - पूर्वमीमांसा

भागः - १, पत्रिका - ३

विषयः - भाट्टकौस्तुभः - १

दिनाङ्कः - 31-3-2015

गरिष्ठाङ्काः - १००

समयः - 10.00 A.M. to 1.00 P.M.

Max. Marks - 100

- |      |   |    |
|------|---|----|
| I.   | ‘अर्थवादप्रमाणत्वे सर्वं तदुपपद्यते’ इति सग्रन्थं निरूपयत ।                     | 20 |
| II.  | ‘उक्तं तु वाक्यशेषत्वम्’ इत्यत्र किं विचारितम् ग्रन्थोक्तदिशा व्याकुरुत ।       | 15 |
| III. | साममन्त्राणां कथं प्रामाण्यं कौस्तुभोक्तदिशा विवेचयत ।                          | 15 |
| IV.  | ‘इमामगृह्णन्.....’ इत्यादि मन्त्राणां कथं न वैयर्थ्यम् भाट्टोक्तदिशा स्पष्टयत । | 15 |
| V.   | ‘न चैतत् विद्वः’ इत्यत्र दृष्टविरोधमाक्षिप्यं समाधत्त ।                         | 15 |
| VI.  | इमानि सूत्राणि व्याकुरुत ।  | 20 |
|      | १. अन्यानर्थक्यात् ।  |    |
|      | २. दूरभूयस्त्वात् ।   |    |
|      | ३. यदि च हेतुरवतिष्ठेत निर्देशात् ।   |    |
|      | ४. अभिधानेऽर्थवादः ।  |    |